बीड (महाराष्ट्र) वर्ष-२ ला अंक-९ वा रविवार ३१ ऑगस्त २०२५ RNI TITLE CODE:MAHHIN11405/120/1/3/2024 किमत : २ रूपये पन्ने - ४

दैनिक भारत कि
तामीर

संपादक - काझी मकदूम शफीउद्दीन hinditameer@gmail.com
Editor in chief- Qazi makhdoom shafiuddin

जरांगे-पाटील का सातारा-हैदराबाद गॅजेट विशेषज्ञों को चर्चा का खुला न्योता

शिंदे समिति की मध्यस्थता विफल

जामिर काझी

मुंबई, ३० अगस्त २०२५: मराठा समुदाय को ओबीसी कोटे में आरक्षण देने की मांग को लेकर मुंबई के आजाद मैदान में चल रहे अनशन को पूरे महाराष्ट्र से जबरदस्त समर्थन मिल रहा है। आंदोलन के दूसरे दिन भी भारी भीड़ जमा रही, जिसके कारण दक्षिण मुंबई पूरी तरह ठप हो गई। उच्चस्तरीय शिष्टमंडल और मनोज जरांगे-पाटील के बीच हुई बैठक में कोई समाधान न निकलने के कारण उनका आंदोलन जारी रखने का संकल्प और मजबूत हो गया है। जरांगे-पाटील ने सातारा और हैदराबाद गजट का अध्ययन करने वाले विशेषज्ञों को रविवार सुबह १० बजे आजाद मैदान में खुली चर्चा के लिए आने का चुनौती भरा न्योता दिया है।

छायाः इम्तियाज शेख

जरांगे-पाटील ने कहा, पिछले कुछ दिनों में कुछ विशेषज्ञों ने मेरे साथ कुछ और बातें कीं, लेकिन सरकार के सामने बैठकर पूरी तरह अलग रुख अपनाया। इस दोहरे रवैये से समाज में भ्रम पैदा हो रहा है। इसलिए, जो लोग वास्तव में इतिहास और दस्तावेजों का गहन अध्ययन कर चुके हैं, वे खुलकर अपनी राय रखें।

मराठा आरक्षण की मांग में सातारा और हैदराबाद गजट का उल्लेख महत्वपूर्ण है। जरांगे ने कहा कि समाज को गलत जानकारी न मिले और आंदोलन सही दिशा में आगे बढ़े, इसलिए वे पारदर्शी चर्चा के लिए विशेषज्ञों को बुला रहे हैं।

सरकारी शिष्टमंडल की बैठक बेनतीजा

शनिवार को राज्य सरकार द्वारा भेजे गए शिष्टमंडल और जरांगे-पाटील के बीच हुई बैठक बेनतीजा रही। पूर्व मंडल आयुक्त विजय सूर्यवंशी और पूर्व न्यायमूर्ति शिंदे ने जरांगे से मुलाकात कर आंदोलन वापस लेने की अपील की। हालांकि, जरांगे सगे-सोयरे' सहित ओबीसी कोटे में मराठा समुदाय को पूर्ण आरक्षण देने की मांग पर अडिग रहे।

सरकार ने आंदोलनकारियों पर दर्ज गैर-गंभीर मामलों को वापस लेने की सकारात्मकता दिखाई है। साथ ही, आरक्षण के लिए जान गंवाने वाले ५३ आंदोलनकारियों में से २३ पात्र लोगों को महाराष्ट्र राज्य परिवहन निगम में नौकरी देने का निर्णय लिया गया। हैदराबाद गजट की ऐतिहासिक प्रविष्टियों पर भी चर्चा हुई। जरांगे ने दावा किया कि मराठवाडा का मराठा समुदाय कुणबी है। हालांकि, शिष्टमंडल कोई समाधान निकाले बिना लौट गया। पूर्व न्यायमूर्ति शिंदे ने कहा कि जरांगे की मांगें मंत्रिमंडल के सामने रखी जाएंगी, जिसके बाद अंतिम निर्णय लिया जाएगा।

सुविधाओं की कमी से आंदोलक नाराज

आजाद मैदान में जमा मराठा आंदोलनकारियों को मूलभूत सुविधाएं न मिलने से शनिवार सुबह भारी आक्रोश देखा गया। आंदोलकों ने मुंबई महानगरपालिका के मुख्य भवन के सामने अर्धनग्न अवस्था में धरना देकर सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। इससे दक्षिण मुंबई की यातायात व्यवस्था लगभग चार घंटे तक ठप रही। जेजे फ्लाईओवर और मेट्रो से आने वाले सभी वाहन जाम में फंस गए। जरांगे-पाटील के आह्वान पर आंदोलकों ने रास्ता खाली किया। कुछ आंदोलकों ने बाल कटवाकर और सेल्फी पॉइंट पर स्नान करके विरोध जताया। कई लोगों ने जहांगीर आर्ट गैलरी और सीएसटी स्टेशन पर नारेबाजी की।

मंत्रालय, विधान भवन की ओर यातायात बंद

मराठा आंदोलक दक्षिण मुंबई में कई स्थानों पर समूहों में घूम रहे हैं। उन्होंने मंत्रालय, विधान भवन, और गेटवे ऑफ इंडिया की ओर मोर्चा निकाला। मंत्रालय में अनधिकृत प्रवेश की आशंका के चलते सरकार ने इन क्षेत्रों की ओर जाने वाले सभी रास्तों को बैरिकेड्स लगाकर बंद कर दिया। यहां भारी पुलिस बंदोबस्त तैनात है और केवल पहचान पत्र जांच के बाद ही लोगों को प्रवेश दिया जा रहा है। शनिवार को भी आंदोलकों ने इन स्थानों पर एकत्र होकर नारेबाजी की।

आंदोलन को रोजाना परमिशन

मुंबई पुलिस ने मराठा आंदोलकों को केवल शुक्रवार के लिए आंदोलन की अनुमति दी थी। हालांकि, जरांगे-पाटील मांगें पूरी होने तक पीछे न हटने पर अडिग हैं। इसलिए, पुलिस ने रविवार के लिए भी आंदोलन की अनुमति दी है। मराठा आंदोलन के समन्वयक वीरेंद्र पवार ने कहा, जब तक आंदोलन वापस नहीं लिया जाता, हम रोज पुलिस से अनुमति मांगते रहेंगे।

मनोज जरांगे मुंबई में क्यों आए, इसका जवाब एकनाथ शिंदे ही दे सकते हैं: राज ठाकरे का तंज

मुंबई, ३० अगस्त २०२५ (जमीर काझी):

मराठा आरक्षण के लिए मनोज जरांगे-पाटील के मुंबई में दोबारा आने का कारण केवल उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ही बता सकते हैं। यह तंज महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) प्रमुख राज ठाकरे ने शनिवार को कसा। उन्होंने कहा कि पिछले बार जरांगे ने नवी मुंबई में शिंदे से मुलाकात कर आंदोलन वापस लिया था। उसका क्या हुआ, यह शिंदे को स्पष्ट करना चाहिए।

मराठा आरक्षण के लिए जरांगे-पाटील द्वारा शुक्रवार से शुरू किए गए आंदोलन को लेकर सत्ताधारी और विपक्षी दलों के बीच आरोप-प्रत्यारोप का दौर शुरू हो गया है। इस मुद्दे पर राज ठाकरे ने अप्रत्यक्ष रूप से एकनाथ शिंदे पर निशाना साधा। उन्होंने कहा, पिछली बार जरांगे-पाटील वाशी में मराठा आरक्षण का आश्वासन लेकर लौटे थे। तब तत्कालीन मुख्यमंत्री शिंदे उनसे मिलने गए थे और आंदोलन वापस लिया गया था। फिर भी आज दोबारा यह स्थिति क्यों आई? इसका जवाब शिंदे के पास है और उन्हें यह स्पष्ट करना चाहिए।

वहीं, ठाकरे गुट के नेता और सांसद संजय राउत ने इस आंदोलन के पीछे शिंदे का हाथ होने का आरोप लगाया। राउत ने कहा, मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को मुश्किल में डालने के लिए शिंदे ही इस आंदोलन को बल दे रहे हैं। सत्ताधारी पक्ष की ओर से ही इस आंदोलन का राजनीतिकरण किया जा रहा है। मुख्यमंत्री को इस बारे में स्पष्टीकरण देना चाहिए। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह को लालबाग के राजा के दर्शन के लिए ले जाने से पहले उन्हें आजाद मैदान के आंदोलन स्थल पर ले जाना चाहिए।

इसका जवाब देते हुए भाजपा के मीडिया प्रमुख नवीन बन ने कहा, राउत ने मराठा आंदोलनकारियों को 'ढेकूण' कहकर नीचता दिखाई है। वे ढेकूण नहीं, बल्कि संघर्ष योद्धा हैं, जो न्याय की मांग के लिए आंदोलन कर रहे हैं। उद्धव ठाकरे की मूर्खता और कमजोरी के कारण फडणवीस द्वारा दिया गया मराठा आरक्षण रद्द हुआ था। भविष्य में भी फडणवीस ही मराठा समाज को न्याय देंगे।

केंद्र सरकार आरक्षण का मुद्दा सुलझाए: शरद पवार

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के संस्थापक अध्यक्ष शरद पवार ने कहा कि तमिलनाडु में ७२% आरक्षण को सुप्रीम कोर्ट ने मान्यता दी है। इसलिए केंद्र सरकार को मराठा आरक्षण पर निर्णय लेकर आरक्षण की सीमा बढ़ानी चाहिए। उन्होंने कहा कि मराठा आरक्षण का मुद्दा केंद्र को हल करना जरूरी है और इसके लिए सकारात्मक रुख अपनाकर तत्काल पहल करनी चाहिए।

जरांगे पाटिल के आंदोलन को केज के गुलभिले लॉजिस्टिक का सहयोग

मुंबई, दिनांक ३० : संवाददाता

मराठा आरक्षण की मांग को लेकर मुंबई के आज़ाद मैदान में चल रहे मनोज जरांगे पाटिल के आंदोलन को ग्रामीण क्षेत्रों से बड़े पैमाने पर मदद मिल रही है। केज तालुका के दिपेवडगांव के गुलभिले लॉजिस्टिक की ओर से आंदोलन में आए कार्यकर्ताओं के लिए दो सौ लोगों के रहने और भोजन की व्यवस्था की गई है।

गुलभिले लॉजिस्टिक का यह योगदान आंदोलन में शामिल लोगों के लिए राहतभरा साबित हुआ है और इसने सामाजिक एकजुटता व परस्पर सहयोग की मिसाल पेश की है। मराठा समाज के हक की इस लड़ाई में गाँव-गाँव से मिलने वाला ऐसा सहयोग आंदोलन को मजबूती देने वाला है, ऐसा उपस्थित लोगों ने कहा।

गुलभिले परिवार द्वारा की गई इस व्यवस्था से ग्रामीण क्षेत्रों से आए आंदोलनकारियों को बड़ा सहारा मिला है और समाज में भाईचारे व अपनत्व का परिचय भी देखने को मिला है।

उर्दू दैनिक तामीर के २५ वे साल में क़दम रखने पर एक और पेशकश

जिंतूर में इद्दे मिलादुन्नबी के अवसर पर रक्तदान शिबिर में ९२५ रक्तदाता वो ने रक्तदान किया !

जिंतूर (एम एजाज जिंतूरकर) इस्लाम धर्म के पैगंबर प्रेषित हज़रत मोहम्मद (स अ) के यौमे पैदाइश पर दि २९ऑगस्ट २०२५ शुक्रवार को जामा मस्जिद परिसर में जमियते उल्माऐ हिंद और मुस्लिम नौजवानों की ओर से रक्तदान शिबिर का आयोजन किया गया था! जिसे भारी बारिश में भी बडा प्रतिसाद मिला है! इस रक्तदान शिबिर में ९२५ रक्तदाता वो ने और महिलाओं ने रक्तदान कर अपना सहयोग किया! मुस्लिम समाज के नौजवानों ने और महिलाओं ने बड़ी बड़ी लाइन लगा कर रक्तदान किया! शुक्रवार को दोपहर एक बजे तक जोरदार बारिश चल रही थी! फिर भी बारिश थोडी थमने के बाद नमाज जुमा के बाद मुस्लिम समाज के नौजवानों ने और महिलाओं ने रक्तदान करने के लिए! लाइनें लगाईं थीं! देर रात तक ये रक्तदान शिबिर चलता रहा! ९२५ रक्तदाता वो ने रक्तदान किया! रक्त संक्लन करनें के लिए! परभणी जिल्हा सामान्य रुग्णालय की बल्ड बॅक के कर्मचारी, हिंगोली,जिल्हा सामान्य रुग्णालय बल्ड बॅक के कर्मचारी, और नंदुरबार जिल्हा सामान्य रुग्णालय की बल्ड ग्रुप के कर्मचारी यो ने परिश्रम किया! रक्तदान शिबिर को सफल बनाने के लिए! मुस्लिम समाज के नौजवानों ने परिश्रम किया! इस रक्तदान शिबिर में शहर के राजकीय मान्यवरों ने आकर रक्तदाता वो का और संयोजकों का हौसला बढ़ाया! माजी आमदार विजयराव भाबंळे ने रक्तदान कर सर्व धर्म समभाव का एहसास दिलाया! इसी के साथ माजी नगराध्यक्ष प्रताप देशमुख, राष्ट्रवादी कांग्रेस अजित पवार गुट के तालुकाध्यक्ष लक्ष्मनदादा बुधवंत,मा नगर सेवक प्रदिप चव्हाण,मा जि प सदस्य नाना राऊत, परभणी जिल्हा रुग्णालय के बल्ड बॅक के प्रमुख राठोड,जिंतूर ग्रामीण रुग्णालय के वैद्यकीय अधिक्षक डॉ रविकांत चांडगे, जमियत उल्माऐ हिंद के सभी प्रमुख पदाधिकारी परभणी के नौजवानों की दिल की धड़कन तथा सामाजिक कार्य मे हमेशा अग्रेसर रहेनेवाले नेता सय्यद अब्दुल कादर,आजी माजी नगरसेवक प्रतिष्ठित नागरिक पोलीस प्रशासन के अधिकारी तथा कर्मचारी ने इस रक्तदान शिबिर में आकर रक्तदाता वो से और संयोजकों से मुलाकात कर उनकी हौसला अफजाई की इस रक्तदान शिबिर को सफल बनाने के लिए! शहर के नौजवानों ने कड़ी मेहनत की हैं!

आज होगा नौफल यूनानी सेंटर व नौफल हर्बल फार्मेसी का उद्घाटन

बीड, ३० अगस्त : संवाददाता

शहर के लोगों के लिए स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में एक नया अध्याय जुड़ने जा रहा है। नौफल यूनानी सेंटर और नौफल हर्बल फार्मेसी का मुबारक उद्घाटन कल, ३१ अगस्त २०२५, रविवार को बड़े धूमधाम से किया जाएगा। यह कार्यक्रम सुबह ११ बजे, डॉ. मुबारक क्लिनिकल, बार्शी नाका, मोमिनपुरा बायपास कॉर्नर, बीड़ पर आयोजित होगा।

इस मुबारक अवसर पर उद्घाटन का कार्य डॉ. शय्यद इरशाद अहमद (प्रिंसिपल, यूनानी मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल, कन्नड, औरंगाबाद) करेंगे। कार्यक्रम के दौरान शहर के प्रमुख उलेमा-ए-कराम की दुआएं और मार्गदर्शन भी शामिल होगा।

विशिष्ट अतिथियों में डॉ. हकीम चाँद पटेल (DAMS), जनाब अहमद शाहीनशाह, डॉ. शेख ईसा, डॉ. शेख मुबारक (BHMS, CCH, DAMU) तथा डॉ. निबल एम. शेख (BUMS Ex. Unani Medical Officer, Civil Hospital, Beed) उपस्थित रहेंगे।

आयोजन हकीम मोहम्मद वसीम खान (प्रो.प्रा. नौफल हर्बल फार्मेसी) के नेतृत्व में किया जा रहा है। आयोजकों ने बीड़ और आसपास के सभी नागरिकों से इस मुबारक अवसर पर बड़ी संख्या में उपस्थित होकर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाने की अपील की है।

MAK TAB PHARMACEUTICAL
REQUIRED PHARMACIST
• Beed
• Licensed Pharmacist (for retail pharmacy setup)
Please connect on WhatsApp
9754221866
BUSINESS COLLABORATION
• Doctors & Distributors – start your own brand with our Third-Party Manufacturing Support
• Complete guidance for Retail Pharmacy Setup
Amjad Khan - 9754221866

भीषण दुर्घटना के बाद डॉ. योगेश क्षीरसागर पहुंचे अस्पताल; परिजनों को बंधाया ढांढस

बीड़ (प्रतिनिधि), दि.३० :

तालुका के पेंडगांव में श्री हनुमानराय के दर्शन के लिए पैदल जा रहे भक्तों को एक कंटेनर ने जोरदार टक्कर दे दी। इस हादसे में छह श्रद्धालुओं की मौत हो गई। यह घटना शहर के नजदीक नामलगांव फाटा क्षेत्र में शनिवार (दि.३०) सुबह घटी। दुर्घटना की खबर मिलते ही राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के बीड़ विधानसभा अध्यक्ष डॉ. योगेश क्षीरसागर तुरंत जिला अस्पताल पहुंचे और पीड़ित परिवारों को सांत्वना दी।

डॉ. क्षीरसागर ने अपघातग्रस्तों के परिजनों से संवाद साधकर पूरी स्थिति की जानकारी ली। इसके बाद उन्होंने सीधे उपमुख्यमंत्री तथा पालक मंत्री अजितदादा पवार से संपर्क साधकर घटना की जानकारी दी। पालक मंत्री पवार ने जिलाधिकारी को तुरंत राहतकार्य शुरू करने के आदेश दिए हैं तथा शासन की ओर से मृतकों के परिजनों को तात्कालिक आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने की घोषणा की है।

पालक मंत्री ना. अजितदादा पवार ने प्रशासन को दिए त्वरित मदद के निर्देश

डॉ. क्षीरसागर ने जिला शल्यचिकित्सक से चर्चा कर स्वास्थ्य विभाग के माध्यम से पूरी रिपोर्ट शासन तक भेजने के निर्देश दिए। इस मौके पर सरपंच गणेश खांडे, नगरसेवक बाळासाहेब गुंजाळ, दत्ता जाधव समेत पुलिस अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित थे। इस दुर्घटना में आकाश कोळसे, दिनेश पवार, किशोर तौर (सभी निवासी बीड़), अनिकेत शिंदे, पवन जगताप, विशाल काकडे (सभी निवासी शिदोड) की मृत्यु हो गई। इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना पर शोक व्यक्त करते हुए डॉ. योगेश क्षीरसागर ने कहा-

सड़क पर पैदल यात्रा करते समय सभी को सतर्क रहना चाहिए। मैं मृतकों के परिजनों के साथ पूरी मजबूती से खड़ा हूं।

गुजरातियों का दिल कमज़ोर क्यों हो रहा है?

गुजरात में औसतन हर घंटे १० लोग हृदय रोग से पीड़ित होते हैं। अहमदाबाद में सबसे ज़्यादा ३१,१९१ मरीज़ हैं।

हबीब शेख, अहमदाबाद

यहाँ तक कि संयुक्त राष्ट्र ने भी राज्य में हृदय रोगियों की संख्या में दिन-प्रतिदिन हो रही चिंताजनक वृद्धि की बात कही थी। हाल ही में प्रकाशित एक रिपोर्ट में खुलासा हुआ है कि गुजराती खाने-पीने के शौकीन तो होते हैं, लेकिन अपने दिल की देखभाल करने में पीछे रह जाते हैं।

गुजरात में हृदय रोग जल्दी क्यों होता है? गुजरात में हृदय रोग के नवीनतम आँकड़ों, २०२५ के अनुसार, अहमदाबाद में हृदय रोगियों की संख्या सबसे ज़्यादा है। गुजरातियों को हृदय रोग जल्दी क्यों होता है? गुजरात में हृदय रोग के कारण और बचाव। २०२५ में गुजरात की स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति। गुजरात में हृदय रोग के कितने मामले सामने आए हैं? असरवा सिविल अस्पताल के हृदय रोगियों के आँकड़े। गुजरात में हृदय रोग के मामले तेज़ी से बढ़ रहे हैं। अहमदाबाद में सबसे ज़्यादा मरीज़ हैं, औसतन हर घंटे १० लोग हृदय रोग से पीड़ित हैं। गुजरात में स्वास्थ्य सेवा की स्थिति अच्छी नहीं है, यह हाल ही में जारी आंकड़ों से साबित होता है। हालाँकि, गुजरात के लोग खाने-पीने के शौकीन हैं और खर्च करने से

नहीं हिचकिचाते। इस वजह से उन्हें दिल की बीमारी भी जल्दी हो जाती है। हाल ही में प्रकाशित एक रिपोर्ट में खुलासा हुआ है कि गुजराती पैसा कमाने में इतने आगे निकल गए हैं कि उन्हें अपने स्वास्थ्य की भी चिंता नहीं है। इससे भी ज्यादा चिंताजनक बात यह है कि हृदय रोग के मरीजों की संख्या बढ़ रही है। वे विटामिन और फूड सप्लीमेंट खरीदते हैं लेकिन अपने दिल का ख्याल नहीं रखते। इस साल गुजरात में कितने हृदय रोग रोगियों का इलाज किया गया, इसका विवरण इस प्रकार है। १ जनवरी से १८ अगस्त तक गुजरात में ५९९३१ मामले दर्ज किए गए। अब तक गुजरात के दस जिलों में ५९९३१ मामले दर्ज किए जा चुके हैं। इससे भी ज्यादा चिंताजनक बात यह है कि लोग अभी भी हृदय रोग को लेकर ज्यादा चिंतित नहीं हैं। वर्ष २०२५ के पहले आठ महीनों में अहमदाबाद के असरवा सिविल अस्पताल में २३२९५९ ओपीडी मामले दर्ज किए गए। पिछले साल यह संख्या ३६३३१५ थी। गुजरात में हृदय रोग की समस्याओं की संख्या दिन-प्रतिदिन बढ़ रही है। इस वर्ष अकेले गुजरात में हृदय रोग के ६०,००० मामले सामने आए हैं। पिछले साल इसी अवधि में हृदय रोग के ५१,४५३ मरीज सामने आए थे। वर्तमान में, राज्य भर से औसतन २६२ लोग हर दिन आपातकालीन सेवा १०८ पर कॉल कर रहे हैं, जबकि हर घंटे १० लोग कॉल कर रहे हैं। समस्या के कारण, १०८ की मदद लेनी पड़ती है। अहमदाबाद के असरवा अस्पताल परिसर में स्थित कार्डियक अस्पताल में अब तक ओपीडी में २,३२,९५९ और आईपीडी में ३१,१९१ मरीज हैं। इस साल किस जिले में हृदय रोग के सबसे ज्यादा मामले हैं? अहमदाबाद में २०२५ में १७,१७४ और २०२४ में १५,२४७ मामले थे। इसी अवधि के दौरान गांधीनगर में १,६९१ मामले थे। सूरत में २०२४ में ४,९५७ और १४४१ मामले सामने आए। अमरेली और विभिन्न अस्पतालों में इससे पहले मामले दर्ज किए गए थे। इसी तरह, राजकोट में ३७५२ और उससे पहले ३३६१ मामले सामने आए थे। कच्छ में ३,३६१ और भावनगर में १,३६० मामले सामने आए। भावनगर में क्रमशः ३,१४४ और २,५८४ मामले और वडोदरा में ३,१५८ मामले सामने आए।

दैनिक भारत की तामीर अखबार के मालिक, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक काजी मखदूम शफीउद्दीन ने आरएम प्रिंटरर्स, बार्शी रोड, बीड 431122 महाराष्ट्र में मुद्रित कर के दैनिक तामीर, नगर परिषद परिसर, बशीर गंज, बीड, महाराष्ट्र कार्यालय से प्रकाशित किया है। मोबाइल : 9270574444 ईमेल : hinditameer@gmail.com वेबसाइट : www.dailytameer.com

daily Bharat ki tameer newspaper owner printer publisher editor Quazi makhdoom shafiuddin has printed at RM printers barshi road beed 431122 Maharashtra at published at office daily tameer nagar parishad complex Bashir gunj beed Maharashtra. Mobile : 9270574444 Email : hinditameer@gmail.com Website : www.dailytameer.com